साय बोले- 'चिंतन शिविर' शासन को नई दिशा और ऊर्जा देते हैं, यह नीति-निर्माण का सशक्त मंच

आईआईएम में पूरी सरकार, मंत्रियों ने सीखा सुशासन, वित्तीय प्रबंधन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, 'चिंतन शिविर 2.0' जैसे प्रशिक्षण सत्र शासन को नया दृष्टिकोण और नीति निर्माण प्रक्रिया को सशक्त बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। इस तरह के आयोजनों से मंत्रियों को सुशासन और परिवर्तनकारी नेतृत्व के महत्वपूर्ण गुर सीखने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा, चिंतन शिविर जैसे आयोजन शासन को नई दिशा और ऊर्जा देते हैं। उन्होंने विशेषज्ञ वक्ताओं के विचारों को अत्यंत प्रेरणादायक और नीति-निर्माण के लिए उपयोगी बताया। आईआईएम रायपुर में आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर के प्रथम सत्र में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य के सभी मंत्री शामिल हुए। इस सत्र में 'परिवर्तनकारी ⏭शेष पेज 5 पर

आईआईएम परिसर में सुशासन वाटिका का शुभारंभ

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने यहां भारतीय प्रबंध संस्थान में चिंतन शिविर 2.0 के पहले दिन की शाम को आईआईएम परिसर में सुशासन वाटिका का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ सुशासन वाटिका में मौलश्री के पौधे का रोपण किया।

विकास के लिए पूंजीगत व्यय बढ़ाना आवश्यक

आईआईएम रायपुर में चिंतन शिविर 2.0 के पोस्ट लंच सत्र में आईआईएम अहमदाबाद के प्रोफेसर डॉ. रविंद्र ढोलकिया ने 'सब्सिडी से सततता : विकास के लिए सार्वजनिक वित्त पर पुनर्विचार' विषय पर प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने वित्तीय प्रबंधन, संसाधनों के बेहतर उपयोग, संसाधन जुटाने के लिए आवश्यक कदम, रेवेन्यू कलेक्शन जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा, अच्छी विकास दर हासिल करने के लिए पूंजीगत व्यय बढ़ाना आवश्यक है।

समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण को सुशासन की प्राथमिकता

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने 'संस्कृति, सुशासन और राष्ट्र निर्माण' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा, भारत की एकता केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक भी है। राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों या संसाधनों से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों से संभव है। उन्होंने अंत्योदय के महत्व पर बल देते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण को सुशासन की प्राथमिकता बताया।